महत्वपूर्ण एवं खास

सड़क हादसे में बाइक सवार की उपचार के दौरान मौत,मामला दर्ज कर जांच में जुटी पुलिस

रायपुर (आरएनएस)। सड़क हादसे में घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो जाने पर धरसींवा पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है। मिली जानकारी के मुताबिक 27 नवंबर को ग्राम खैरखुट निवासी रामनारायण साहू मानव मोटर्स से काम करके बाइक से वापस आ रहा था तभी रात 8.30 बजे सोनू -मोनू ढाबा के पास किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से वह गंभीर रुप से घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया,जहां उपचार के दौरान 29 नवंबर को 12.45 बजे उसकी मौत हो गई। मामले की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ धारा 279,304 ए के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच में जुटी है।

स्कूली छात्रा ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

कोरबा (आरएनएस)। सीएसईबी कालोनी कोरबा पूर्व में एक स्कूली छात्रा ने अपने घर में फांसी का फंदा बनाकर किन्हीं कारणों को लेकर अपनी ईहलीला समाप्त कर ली। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छात्रा के आत्महत्या किये जाने के कारणों की एक ओर जहां जांच शुरू कर दी वहीं दूसरी ओर उसके शव को पीएम के लिए चीरघर भिजवा दिया। जानकारी के अनुसार सीएसईबी कालोनी कोरबा पूर्व में एक छात्रा अपने चाचा के यहां रहकर पढ़ाई कर रही थी। वह रोजाना अपनी सहेलियों के साथ स्कूल आने-जाने के अलावा उनके घरों पर भी आते-जाते रहती थी। हमेशा सामान्य एवं खुश मिजाज दिखने वाली छात्रों को देखकर किसी को भी यह नहीं आभास होता था कि वो किन्हीं कारणों से इन दिनों परेशान चल रही है। मां-बाप से दूर रहकर चाचा के घर रहते हुए पढ़ाई करने वाली छात्रा रोजाना की भांति खाना खाने के बाद अपने कमरे में आराम कर रही थी।

जिले की होनहार छात्रा शालिनी का हुआ आईआईटी रूड़की में चयन

सूरजपुर (आरएनएस)। देश के उच्च शिक्षण संस्थान इंडियन इंस्टिटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) रूड़की में जिले की होनहार प्रतिभावान छात्रा शालिनी गुप्ता ने चयनित होकर सूरजपुर जिले का मान बढ़ाया है। मंगलवार को पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता ने शालिनी के इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने अपने आईआईटी में अध्ययन से जुड़े अनुभवों को साझा किया और शालिनी को उच्च शिक्षा के लिए मार्गदर्शन देकर प्रोत्साहित किया। शालिनी सूरजपुर के पत्रकार अजय गुप्ता की सुपुत्री है जो प्रारंभ से ही मेघावी रही है। इस दौरान स्थापना प्रभारी अखिलेश सिंह सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस 3 दिसम्बर को : होगें कई आयोजन

रायपुर (आरएनएस)। प्रदेश में 3 दिसम्बर को अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर दिव्यांग व्यक्तियों के प्रति समाज में सकारात्मक वातारण और दृष्टिकोण विकसित करने के उद्देश्य से कई आयोजन किए जाएंगे। सभी जिलों में समारोह, सेमीनार, जागरूकता शिविरों के माध्यम से दिव्यांगजन को मुख्यधारा में लाने के प्रयास होंगे। समाज कल्याण संचालनालय द्वारा सभी कलेक्टरों को इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। आयोजन के दौरान कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए सभी नियमों का पालन करने कहा गया है।

छत्तीसगढ़ में आज से शुरू होगी समर्थन मूल्य पर धान खरीदी

» धान खरीदी के लिए सभी तैयारियां पूर्ण

» 22.66 लाख पंजीकृत किसानों से 2399 सहकारी समितियों के माध्यम से होगा धान का उपार्जन

» किसानों की सुविधा के लिए इस वर्ष 88 नवीन धान खरीदी केन्द्र बनाये गए

» लगभग 105 लाख मीटरिक टन धान खरीदी का अनुमान, सवा पांच लाख गठान बारदाने की पड़ेगी जरूरत

» किसानों को पहले दिन से ही स्वयं के बोरे में धान बेचने की अनुमति

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की घोषणा के अनुरूप प्रदेश में एक दिसम्बर से खरीफ विपणन वर्ष 2021-22 के लिए समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी शुरू होगी। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण हो चुकी हैं। इस खरीफ वर्ष में लगभग 22.66 लाख पंजीकृत किसानों से 2399 सहकारी समितियों के माध्यम से धान उपार्जन किया जाएगा। राज्य सरकार द्वारा पंजीकृत किसानों से लगभग 105 लाख मीटरिक टन धान खरीदी का अनुमान है। इस वर्ष किसानों-ग्रामीणों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए राज्य शासन द्वारा 88 नवीन धान उपार्जन केन्द्रों को प्रारंभ करने की अनुमति प्रदान की गई है।

खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राज्य शासन द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2021-22 के तहत समर्थन मूल्य पर किसानों से धान की नकद एवं लिंकिंग के माध्यम सें खरीदी एक दिसम्बर 2021 से 31 जनवरी 2022 तक तथा मक्का की खरीदी एक दिसम्बर 2021 से 28 फरवरी 2022 तक की जाएगी। खरीफ विपणन वर्ष 2021-22 के लिए औसत अच्छी किस्म के धान के लिए समर्थन मूल्य की दर, धान कॉमन 1940 रूपए प्रति क्विंटल, धान ग्रेड ए 1960 रूपए प्रति क्विंटल तथा औसत अच्छी किस्म के मक्का का समर्थन मूल्य 1870 रूपए प्रति क्विंटल का दर निर्धारित है।

अधिकारियों ने बताया कि 105 लाख मीटरिक टन धान खरीदने के लिए सवा पांच लाख गठान बारदाने की जरूरत पड़ेगी। जूट कमिश्नर के माध्यम से राज्य को 86 हजार जूट बारदाने प्राप्त हो चुके हैं। भारत सरकार द्वारा राज्य को 2.14 लाख गठान नये जूट बारदाने की आपूर्ति जूट कमिश्नर के माध्यम से किये जाने की सहमति प्रदान की गई है। इसके अलावा राज्य शासन द्वारा उचित मूल्य की दूकानों और मिलरों के माध्यम से लगभग एक लाख गठान बारदाने की व्यवस्था कर ली गई है तथा ओपन मार्केट से लगभग 1.13 लाख गठान एचडीपीई-पी.पी. बारदाने की व्यवस्था की जा रही है। इसके अलावा भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी को बारदाना क्रय, वितरण, केन्द्रीय तथा अन्य अधिकारियों से नियमित समन्वय के लिए ओ.एस.डी नियुक्त किया गया है। साथ ही किसानों द्वारा सुगमतपूर्वक धान विक्रय किया जा सके इस उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा धान खरीदी के पहले दिन से ही किसानों को स्वयं के बारदानों में धान विक्रय की अनुमति दे दी गयी है।

खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया है कि धान खरीदी व्यवस्था के सुचारू एवं पारदर्शी रूप से संचालन के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किये गये हैं। इन नोडल अधिकारियों द्वारा प्रतिदिन धान खरीदी तथा अन्य व्यवस्था व समस्याओं से संबंधित स्थितियों की मॉनिटरिंग की जाएगी। यदि इन नोडल अधिकारियों के प्रभार वाले खरीदी केन्द्रों में गड़बड़ी पाई जाती है तो इसके लिए नोडल अधिकारी जवाबदेह होंगे।

रिश्तेदार के घर मिली लापता विवाहिता

कोरबा (आरएनएस)। पति से घरेलू बातों को लेकर विवाद होने पर बिना बताए घर से निकलकर अदृश्य हुई विवाहिता खोजबीन के दौरान अपने रिश्तेदार के घर सातवें दिन कोसाबाड़ी में मिल गई। जिसे पुलिस ने दस्तेयाब कर गुम इंसान क्रमांक 158/21 के मामले में खात्मा डालने की वैधानिक कार्यवाही शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार सीएसईबी पुलिस चौकी क्षेत्रांतर्गत 15 ब्लॉक झोपड़ बस्ती निवासी राजकुमार रजक उम्र 40 की पत्नी मालती रजक उम्र 36 के मध्य विगत 22 नवंबर के रात्रि में घरेलू बातों को लेकर विवाद हुआ। जिसके कारण दोनों पति-पत्नी में रात से ही आपस में बातचीत का आदान-प्रदान बंद हो गया। अगले दिन 23 नवंबर को बिना बताए मालती रजक अचानक अपने बच्चे के साथ घर से निकलकर अदृश्य हो गई। जिसके बाद उसका पति उसे कई दिनों तक खोजते रहा। लगातार तीन दिन तक उसके संबंध में जब कोई जानकारी नहीं मिली तो राजकुमार रजक ने 26 नवंबर को सीएसईबी पुलिस चौकी पहुंचकर उसके लापता होने की रिपोर्ट गुम इंसान क्रमांक 158/21 के तहत गुमशुदा रिपोर्ट दर्ज करा दी। सीएसईबी चौकी के तत्कालीन प्रभारी आशीष सिंह ने लापता विवाहिता की खोजबीन हेतु विवेचना की जिम्मेदारी प्रधान आरक्षक साहेबलाल खटकर को दिया था। जिसके परिणाम स्वरूप इस गुमशुदा मामले की विवेचना कर रहे प्रधान आरक्षक खटकर ने अपने स्तर पर प्रयास कर मुखबिर के माध्यम से यह जानकारी हासिल कर लिया कि उक्त विवाहिता कोसाबाड़ी रामपुर चौकी क्षेत्र में अपने एक दूर के रिश्तेदार के यहां रह रही है। इस जानकारी पर उसके पति के साथ पहुंचकर उसे दस्तेयाब कर लिया। पुलिस ने समझाईश देकर दोनों दंपत्ति को उनके घर रवाना कर दिया।

हाट-बाजारों में लग रहे स्वास्थ्य शिविरों से अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंच रही है स्वास्थ्य सुविधा

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में सबको स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में और दूर दराज के दुर्गम इलाकों में रहने वाले लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लीनिक योजना संचालित है। ग्रामीण क्षेत्रों में लगने वाले हाट बाजारों में आये ग्रामीणों का इलाज करने के लिए जिला अस्पतालों से मोबाईल क्लीनिक लगाई जाती है, जिसमें चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टॉफ चिकित्सा उपकरणों एवं दवाईयां लेकर जाते हैं और

चिकित्सकों के परीक्षण के उपरांत मरीज का इलाज एवं जरूरी दवाएं दी जाती है और जरूरत पड़ने पर मरीज को दूसरे अस्पताल में रिफर किया जाता है। प्रदेश में 14 लाख 86 हजार 238 से ज्यादा मरीजों का इलाज हाट बाजार क्लीनिकों में किया जा चुका है।

बिलासपुर जिले में भी इस वर्ष अब तक 24 हाट-बाजारों में 426 मोबाइल क्लीनिक लगाकर लगभग 53 हजार 953 ग्रामीणों को प्राथमिक उपचार एवं स्वास्थ्य संबंधी परामर्श एवं निःशुल्क दवाईयां प्रदान की गई है। जिसमें 26 हजार 152 महिलाएं और 27 हजार 801 पुरूष शामिल है। मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लीनिक योजना के तहत जिले में आवश्यकता अनुरूप तथा गांवों से स्वास्थ्य केन्द्र की दूरी के आधार पर 24 हाट बाजारों का चिन्हांकन किया गया है। प्रत्येक हफ्ते डेडिकेटेड टीम के माध्यम से इन हाट बाजारों में आने वाले ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण तथा उन्हें आवश्यक उपचार की सुविधा प्रदान की जा रही है।

बिल्हा विकासखंड में चार गांवों के हाट-बाजार चिन्हांकित हैं जहां सोमवार को ग्राम सेलर, मंगलवार को मंगला, बुधवार को खैरा (डगनिया) गुरुवार को सिलपहरी, शुक्रवार को सेंदरी, और शनिवार को लगरा में मोबाइल क्लीनिक पहुंचती है। इसी तरह कोटा के चार हाट बाजारों में सोमवार को ग्राम लालपुर, मंगलवार को ग्राम धूमा, बुधवार को रानीगांव, गुरुवार को आमागोहन और शुक्रवार को करगीखुर्द, शनिवार को झिंगटपुर में क्लीनिक पहुंचती है।

आज से 9 तक काली पट्टी लगाकर कार्य करेंगे व्याख्याता

» पदोन्नति की मांग पूरी न होने पर 10 को शिक्षा मंत्री के बंगले घेराव

रायपुर (आरएनएस)। प्रदेश के व्याख्याता अपने एक सूत्रीय मांग व्याख्याता से प्राचार्य के पद पर लंबित पदोन्नति को लेकर दिनांक 01 दिसम्बर 2021 से 09 दिसम्बर 2021 तक विरोध स्वरुप काली पट्टी लगाकर कार्य करेंगे। मांग पूर्ण नही होने की स्थिति में 10 दिसम्बर को दोपहर एक बजे शिक्षा मंत्री के बंगले का घेराव करेंगे । एक सूत्रीय मांग को लेकर दिनांक 07 नवम्बर को गठित वरिष्ठ व्याख्याता मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष अरुण कुमार तिवारी ने बताया कि प्रदेश में ई-संवर्ग अंतर्गत 2016 से तथा टी-संवर्ग अंतर्गत 2013 से प्रदेश के व्याख्याताओं को प्राचार्य के पद पर पदोन्नति नही दी गई है । नियमानुसार प्रत्येक वर्ष पदोन्नति आदेश जारी किया जाना था । मामले को जानबुझकर लटकाते हुए संचालनालय एवं सचिवालय के अधिकारी पदोन्नति आदेश जारी नही कर रहे हैं । प्रदेश के अधिकांश हाई एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल प्रभारी प्राचार्यों के भरोसे संचालित हो रहे हैं जिससे पठन-पाठन तथा संचालन प्रभावित हो रहा है ।

वरिष्ठ व्याख्यातागण सेवानिवृत्ति के कगार पर है किन्तु शासन के उदासीन तथा अड़ियल रवैये के कारण वरिष्ठ व्याख्यातागण खिन्न है । शिक्षा विभाग में वर्ष 2016 में हुए पदोन्नति में 30 वरिष्ठ व्याख्याताओं का नाम छुटा हुआ है । पात्र होने के बावजूद विभाग के अधिकारियों के द्वारा वरिष्ठ व्याख्याताओं को प्रताड़िता किया जा रहा है । इस पदोन्नति से शासन के खजाने पर कोई आर्थिक भार नही पड़ रहा है फिर भी शासन की उदासीनता समझ से परे है।

मोर्चा के संस्थापक सदस्य विश्वनाथ सिंह परिहार ने इस संबंध में जानकारी देते हुए कहा है कि प्रदेश के व्याख्याताओं में इसे लेकर भारी रोष व्याप्त है । इस अभियान में रायगढ़ से जी.पी. साहू, जांजगीर से राजकुमार साहू, कोरबा से एस.एस. शिव, बिलासपुर से विकास नायक, महासमुंद से रिखीराम साहू, धमतरी से एम.एल. साहू, जशपुर से बी.एस. पैकरा, बेमेतरा से नलेश्वर साहू, कोंडागांव से बी.एस. गौतम, बस्तर से चन्द्र प्रकाश देवांगन, कांकेर से हेमंत टांकसाले, रायपुर से अभिनव शुक्ला, दुर्ग से देशबंधु शर्मा, रमेश साहू, सरगुजा से डी.के. कुजूर, राकेश पटेल, नारायणपुर से कमलेश सिंह, बलौदाबाजार से पहलवान सिंह, शक्ति से राजकुमार पटेल, गिरधारी चौहान आदि के नेतृत्व में दिनांक 10 दिसम्बर को शिक्षा मंत्री के बंगले का घेराव करेंगे साथ में निवनियुक्त व्याख्याता संघ के अध्याक्ष से हुई वार्ता के अनुसार दो हजार नवनियुक्त व्याख्याता मोर्चा के साथ है । इस संदर्भ में कांकेर से हमारे साथी ईश्वर लाल वर्मा, अखिलेश कर शर्मा, मोहम्मद असलम, राजेश सिंह देव, श्रीमती करुणा वैद्य, श्रीमती अंजना वास्तव, श्रीमती राधिका ध्रुव, श्रीमती सीमा महादेवकर, हेमंत टांकसाले, बाबूलाल कोमरे, बी.एस. नागराज, एस.पी. नेताम, आर.पी.नेताम एवं के.के. गंजीर ने दो माह तक संघर्ष किया है ।

तेज रफ्तार ट्रक चालक ने बाइक सवार युवक को रौंदा

जगदलपुर (आरएनएस)। जिले के कोड़ेनार थाना क्षेत्र अंर्तगत ग्राम डिलमिली में एक तेज रफ्तार ट्रक चालक ने सामने से आ रही एक बाइक सवार युवक को अपने चपेट में ले लिया। इस दर्दनाक हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस फरार ट्रक चालक की तलाश में जुटी है।

कोडेनार थाना प्रभारी विकासचंद्र रॉय ने बताया कि राकेश मंडावी उम्र 19 वर्ष डिलमिली का निवासी सुबह अपनी मोटर साइकिल से कोडेनार की ओर गया था। वापसी के दौरान वह घर से कुछ दूरी पर पहुंचा था, कि तभी आयरन गिट्टी से भरी ट्रक के चालक ने उसकी बाइक को सामने से ठोकर मार दिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि राकेश की मौके पर ही मौत हो गई। ट्रक को जब्त कर पुलिस ने धारा 304 (ए) के तहत अपराध दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है।

आदीवासी महिला को दतैल हाथी ने पटक-पटक कर मार डाला, शव तीन टुकड़े में अलग-अलग जगह मिला

कुरुद (आरएनएस)। धमतरी जिले में जंगली हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा मगरलोड थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत झाझरकेरा के आश्रित गांव भालुचुआ में तीन दंतैल हाथियों में से एक हाथी ने कमार आदिवासी महिला को पटक पटक का मार डाला। महिला का शव तीन अलग अलग जगहों में पड़ा मिला। मिली जानकारी के मुताबिक भालुचुआ गांव के कमार पारा निवासी 61 साल की कमला बाई कमार का उसके पति पपीत राम के साथ सोमवार की रात झगड़ा हुआ था। कमला बाई अपने पति की झगड़ा लड़ाई से परेशान हो कर गांव के प्रमुख लोगों को बताने निकली थी। रात के करीब 12 बजे के लगभग निस्तारी तालाब के पास दंतैल हाथी में से एक हाथी ने कमला बाई को पटक -पटक कर मार डाला। घटना की जानकारी मिलते ही केरेगांव रेंज, उत्तर सिंगपुर वन विभाग टीम व मगरलोड पुलिस पहुँची। सुबह महिला की शव को इकट्ठा कर मर्ग कायम कर पीएम के लिये भेज दिया गया।

इस बीच दंतैल हाथियों ने गांव के केला बाड़ी ,और धान की खरही को नुकसान पहुचाया है। दूसरी ओर, मगरलोड थाना के उपनिरीक्षक सुभाष लाल ने बताया कि पति-पत्नी में झगड़ा होने के बाद पत्नी गांव के लोगों को बताने जा रही थी। इसी बीच हाथी ने महिला को अपना शिकार बना लिया। जिसके तीन टुकड़े हो गए थे। टीआई के समेत पुलिस रात में ही पहुंच गई थी। सुबह मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

घटना की जानकारी मिलते ही डीएफओ धमतरी सतोविषा समाजदार मौके पर पहुँचकर घटना को दुखद बताया । उन्होंने अधिकारी कर्मचारियों को निर्देश दिए कि दंतैल हाथियों पर सतत निगरानी बनाये रखे। ग्रामीणों को हाथियों के नजदीक जाने से मना करे। उन्होंने बताया कि इस मामले में छह लाख मुआवजा राशि दी जाएगी लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह राशि किसे दी जाएगी क्योंकि महिला का पति कमार नहीं है। महिला का और कोई नहीं है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार दी न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनतमपूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं तीनत एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, मानवीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कुश सी.बी.वर्मा, श्रीमती रेवेका श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुरे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक उन्थान अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, प्रावेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अल्पसंख्यक जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं तकनीकी तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को प्रत्येक कार्यक्रमों एवं प्रक्रियाओं के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहयता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंर्तराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पहिए .... न्यायसाखी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ : उद्योग हितैषी नीति से तेज हुई औद्योगीकरण की रफ्तार

» तीन वर्ष की अवधि में ही स्थापित हुई 1751 औद्योगिक इकाईयां

» 32 हजार 912 लोगों को मिला रोजगार

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में हो रहे तीव्र औद्योगिक विकास का ही परिणाम है कि पिछले तीन सालों में ही बड़े, मध्यम, मेगा, माइक्रो तथा छोटे उद्योगों की कुल 1751 इकाईयां स्थापित हुई हैं। इन औद्योगिक समूहों के द्वारा कुल 19 हजार 550 करोड़ 72 लाख रूपए का पूंजी निवेश किया गया है। जिससे इन इकाईयों में 32 हजार 912 लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कुशल नेतृत्व एवं उद्योग मंत्री कवासी लखमा के मार्गदर्शन में राज्य में उद्योगों के विकास एवं निवेश का बेहतर महौल तैयार हुआ है। राज्य सरकार की नई औद्योगिक नीति से कृषि और वनोपज आधारित उद्योगों को प्राथमिकता दी गई है। खनिज आधारित उद्योगों को हर तरह का प्रोत्साहन दिया जा रहा है। नई

औद्योगिक नीति के तहत अब इस्पात (स्पंज आयरन एण्ड स्टील) क्षेत्र के मेगा, अल्ट्रा प्रोजेक्ट में निवेश हेतु विशेष प्रोत्साहन पैकेज की व्यवस्था की गई है। मेगा निवेश के लिए इस पैकेज में अधिकतम 500 करोड़ रूपए तक निवेश प्रोत्साहन दिया जा रहा है। बस्तर संभाग के लिए 1000 करोड़ का निवेश प्रोत्साहन दिया जा रहा है। निवेशकों को सिर्फ छूट और सुविधा ही नहीं दी जा रही है बल्कि इस बात का भी ख्याल रखा गया है कि प्रदेश में आसानी के साथ उद्योग स्थापित हो सकें। इसके लिए प्रक्रियाओं का सरलीकरण किया गया है। औद्योगिक क्षेत्रों में भूमि आबंटन के लिए भू-प्रब्याजी में 30 प्रतिशत की कमी की गई है। भू-भाटक में एक प्रतिशत की कमी की गई है। औद्योगिक क्षेत्रों में 10 एकड़ तक आबंटित भूमि को लीज फ्री होल्ड करने के लिए नियम बनाए गए हैं। औद्योगिक भूमि और भवन प्रबंधन नियमों का सरलीकरण किया गया है।

कोरोना संकट काल के लॉकडाउन के दौरान पूरा देश आर्थिक मंदी से प्रभावित रहा ऐसे स्थिति में छत्तीसगढ़ में उद्योग जगत भी अछूता न रहा। इन सबके बावजूद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के तीन वर्षों के कार्यकाल में 8 बड़े उद्योग लगे जिसमें मैनेजमेंट के तहत 132 एवं कुशल श्रेणी के 409 तथा अन्य 432 अकुशल श्रेणी के कर्मचारी कार्यरत है।